उत्तर पश्चिम रेलवे – एक परिचय

उत्तर पश्चिम रेलवे 01 अक्टूबर, 2002 को अपने अस्तित्व में आया। उत्तर रेलवे तथा पश्चिम रेलवे से 2–2 मण्डल लेकर इस रेलवे का गठन किया गया। पाँच अन्य नए क्षेत्रीय रेलों के साथ इस रेलवे के निर्माण का 16 सितम्बर, 1996 को रेलवे बोर्ड द्वारा सबसे पहली बार स्थापना का अनुमोदन किया गया और तत्कालीन प्रधानमंत्री ने 17 अक्टूबर, 1996 को के.पी. सिंह स्टेडियम, जयपुर में इस क्षेत्रीय रेल की नींव रखी। इस नए रेलवे के गठन की सूचना भारत सरकार की दिनांक 14.06.2002 की अधिसूचना में निकाली गई।

तथ्य व अन्य आँकड़े

इस रेलवे में चार मण्डलों को शामिल किया गया। इसमें 595 स्टेशन और 5526 रूट किमी इसमें आता है जिसमें से 4471 किमी ब्रॉडगेज है तथा 1055 किमी मीटर गेज है। तथापि, इस रेलवे का कुल ट्रैक किलोमीटर 7203 किमी है। यह रेलवे चार राज्यों की यातायात सेवा की पूर्ति करता है, अर्थात् राजस्थान (6125 किमी), हरियाणा (819 किमी), गुजरात (177 किमी) तथा पंजाब (82 किमी) में सेवारत है। वर्तमान में उत्तर पश्चिम रेलवे पर 64 पी.आर.एस., 109 पी.आर.एस.–सह–यू.टी.एस. तथा 583 यू.टी.एस. टर्मिनल तथा 138 जे.टी. बी.एस. हैं। उत्तर पश्चिम रेलवे पर मीटर गेज सहित यात्री और मेल/एक्सप्रेस दोनों श्रेणियों की कुल 504 गाड़ियाँ दौड़ रही हैं। सभी श्रेणी की कोटियों में इस रेलवे पर स्वीकृत कर्मचारियों की सं. 61,614 है। यहाँ अजमेर, जोधपुर तथा लालगढ़, (बीकानेर) में 3 वर्कशॉप हैं। उत्तर पश्चिम रेलवे पर 03 शेड आबू रोड, भगत की कोठी पर ब्रॉडगेज के तथा फुलेरा पर मीटर गेज की शेड है। उत्तर पश्चिम रेलवे पर उदयपुर क्षेत्रीय रेलवे प्रशिक्षण संस्थान, अजमेर में एस.टी.सी., जोधपुर में कार्मिक प्रशिक्षण केन्द्र तथा बाँदीकुई में आर.पी.एफ. प्रशिक्षण केन्द्र के रूप में प्रतिष्ठित प्रशिक्षण संस्थान हैं।

मण्डलों की संक्षिप्त रूपरेखा

जयपुर मण्डल

इस मण्डल का गठन बी.बी. एण्ड सी.आई., जयपुर स्टेट रेलवे तथा राजपूताना मालवा रेलवे के क्षेत्रों को मिलाकर किया गया है। जयपुर मण्डल राजस्थान तथा हरियाणा की यातायात संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करता है। वैसे तो यह यात्री अर्जन मण्डल है, फिर भी यहाँ से प्रमुखतया खाद, सीमेन्ट, तेल, नमक, खाद्यान्न, तिलहन, चूना तथा जिप्सम इस मण्डल से होकर गुजरते हैं। भारी तादाद में यहाँ से कंटेनर लदान भी किया जाता है। इस मण्डल पर स्टेशनों की कुल संख्या 129 है।

बीकानेर मण्डल

इस मण्डल की स्थापना 1924 ई. में की गई और यह राजस्थान, पंजाब तथा हरियाणा की यातायात संबंधी आवश्यकताओं को पूरी करता है। इस मण्डल में यात्री व माल यातायात समान है। इस मण्डल से मुख्य रूप से बाहर भेजे जाने वाला माल यातायात खाद्यान्न, चीनी मिट्टी तथा जिप्सम है। इस मण्डल में स्टेशनों की कुल संख्या 196 है।

जोधपुर मण्डल

इस मण्डल की स्थापना वर्ष 1882 ई. में की गई थी और इसमें प्रमुख रूप से राजस्थान के अर्ध–शहरी जिले आते हैं। इसमें जोधपुर, पाली मारवाड़, नागौर, जालौर, बाड़मेर, जैसलमेर के क्षेत्र आते हैं। इस मण्डल में गुजरात राज्य के कुछ जिले आते हैं। यह मण्डल जैसलमेर, बाड़मेर तथा पोखरण जैसे राजस्थान के कुछ संवेदनशील क्षेत्रों की सेवा भी करता है। इस मण्डल से चूना, नमक तथा जिप्सम जैसी सामग्रियाँ प्रमुख रूप से लदान की जाती है। इस मण्डल पर कुल 140 स्टेशन हैं।

अजमेर मण्डल

यह मण्डल राजस्थान व गुजरात राज्यों में फैला हुआ है। इस मण्डल से प्रमुख रूप से सीमेन्ट की लदाई की जाती है क्योंकि राजस्थान के अनेक सीमेन्ट संयंत्र इस मण्डल के क्षेत्राधिकार में स्थित हैं। रॉक फॉस्फेट, सॉप स्टोन पाउडर की लदायी उदयपुर क्षेत्र से की जाती है। यह मण्डल भारत के धार्मिक व पर्यटन मानचित्र पर प्रमुख रूप से स्थित है क्योंकि अजमेर शरीफ, पुष्कर, माउण्ट आबू में जैन मंदिर दिलवाड़ा तथा रणकपुर मंदिरों पर भारी मात्रा में यात्री आते हैं। इस मण्डल में स्टेशनों की कुल संख्या 130 है।